पंजीकरण-प्रपत्र

पं0 दीनदयाल उपाध्याय एवम् सामाजिक समरसता दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान

दिनांक-26 सितम्बर, 2024

समय- अपराह्न 03:00 बजे

नाम.....

पद नाम.....

संस्था का नाम व पता.....

.....

.....

मोबाइल नंबर.....

ई-मेल.....

शोधपत्र का शीर्षक.....

.....

.....

सह लेखकों के नाम (यदि कोई हो).....

हस्ताक्षर

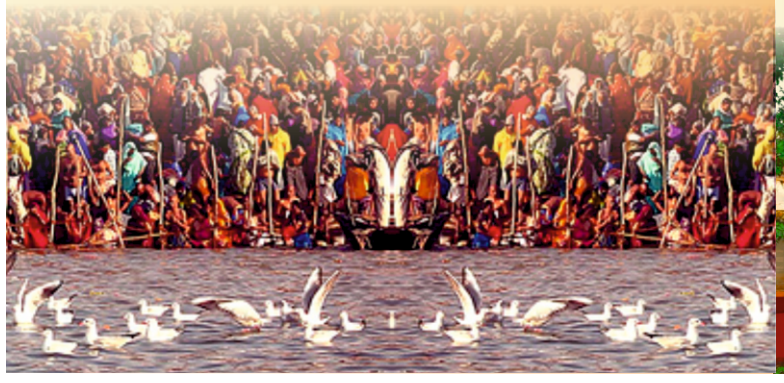

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म दिवस के उपलक्ष्य में

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान

विषय : पं0 दीनदयाल उपाध्याय एवम् सामाजिक समरसता

दिनांक-26 सितम्बर, 2024

समय- अपराह्न 03:00 बजे

आयोजन स्थल

तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

शांतिपुरम (सेक्टर-एफ), फाफामऊ, प्रयागराज - 211021

सेवा में,

_____

_____

संरक्षक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष

प्रोफेसर सत्यकाम

मा. कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि एवं वक्ता

प्रोफेसर हरेश प्रताप सिंह

मा0 सदस्य, उ0प्र0 लोकसेवा आयोग, प्रयागराज

संयोजक

प्रो0 संजय कुमार सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन सचिव

डॉ. दिनेश सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक

पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश - 211021

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म दिवस के उपलक्ष्य में

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान

दिनांक : 26 सितम्बर, 2024

विषय : पं0 दीनदयाल उपाध्याय एवम् सामाजिक समरसता

संरक्षक

प्रोफेसर सत्यकाम

माननीय कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि

प्रो0 हरेश प्रताप सिंह

मा0 सदस्य उ.प्र. लोकसेवा आयोग, प्रयागराज

संयोजक

प्रो0 संजय कुमार सिंह

निदेशक, पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन सचिव

डॉ. दिनेश सिंह

उप निदेशक, पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन स्थल

तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक

पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सेक्टर -एफ , शन्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज

www.uprtou.ac.in

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 10 के द्वारा सन् 1999 में हुई। विगत 25 वर्षों से विश्वविद्यालय अनवरत रूप से समाज के शिक्षा से वंचित जनसमुदाय, महिलाओं, सेवारत व्यक्तियों तथा दूरदराज क्षेत्रवासियों तक उच्च शिक्षा की ज्योति का प्रकाश पहुँचाकर आम जनमानस में आशा एवं नवोत्साह का संचार कर रहा है। छात्र जहाँ, हम वहाँ, सबको शिक्षा सबको ज्ञान, सबका साथ सबका विकास, गुरुकुल से छात्र कुल के मंत्र को अपनी कार्यशैली में आत्मसात करते हुए उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय अपने 110 शैक्षणिक कार्यक्रमों, 1433 से अधिक अध्ययन केंद्र तथा 12 क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से रोजगारपरक एवं गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का प्रदेशव्यापी प्रचार-प्रसार में अनवरत प्रगति पथ पर अग्रसर है। प्रदेश व्यापी विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक गतिविधियों, कार्यक्रमों के सुगमतापूर्ण संचालन हेतु विश्वविद्यालय मुख्यालय प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं सरस्वती प्रांगण की स्थापना की गई है। डिजिटल इंडिया मिशन की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर अग्रसर है अपने स्थापना काल से ही प्राचीन भारतीय परंपराओं के साथ समसामयिक नवीनतम कला-कौशल कलेवर से आच्छादित गुणवत्तापरक, रोजगारपरक, आत्मनिर्भरता की ओर उन्मुख उच्च शिक्षा प्रदान करके ऐसी युवा शक्तियों का निर्माण परिष्कार सम्बर्द्धन हेतु कृत संकल्पित है, जो भविष्य में विषमतामुक्त, भयमुक्त, भाई-भतीजावाद रहित, समता, ममता, समरसता युक्त प्रबुद्ध मानव समाज के प्रति दृढ़ समर्पित होकर एक नवीन सशक्त राष्ट्र का निर्माण करने में अपना श्रेष्ठतम समर्पण कर सके।

संगोष्ठी सह-व्याख्यान

आज प्राच्य जगत पश्चात्य जगत के मध्य में एक वैचारिक द्वन्द विद्यमान है विश्व के विकासशील राष्ट्र पाश्चात्य संस्कृति के अवयव भौतिकतावाद, पूँजीवाद, साम्यवाद के मकड़जाल में कराहते हुए एक वैकल्पिक मार्ग की खोज में है जहाँ पाश्चात्य विचारधारा से पोषित समाज मुक्त हो ऐसा कौन सा पथ है? यह पथ किस मूल अवधारणा पर आधारित हो? समाज का वैचारिक ताना-बाना एवं संरचना किन सिद्धांतों पर आधारित हो जहाँ समता, ममता, समरसता सम्पृक्त मानवता युक्त समाज हो, इसका एकमात्र विकल्प है तो वह भारतीय संस्कृति से उद्भूत एवं पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी द्वारा विकसित एकात्म मानववाद की विचार- धारा है। यही एकमात्र विचारधारा है जिस पर अग्रसर होकर ''सर्वे भवन्तु सुखिनः'' एवं ''वसुधैव कुटुंबकम्'' का लक्ष्य पाया जा सकता है। आज उदारीकरण, निजीकरण, भूमंडलीकरण के युग में पं0 दीन दयाल उपाध्याय की विचारधारा को आत्मसात किए बगैर मानव कल्याण की कल्पना कोरी है। पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने विकेंद्रीकरण का विकल्प, अंत्योदय और अर्थायाम की संकल्पना दिया। आपके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अनुकरण न केवल समुन्नत राष्ट्र एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेगा बल्कि वैश्विक स्तर पर शान्ति एवं विकास का पथ भी प्रशस्त होगा। आज समस्त विश्व एकात्म मानववाद तथा मानवीय मूल्यों आप द्वारा स्थापित विचार पर ही अग्रसर हो रहा है

अतः यह आवश्यक है कि भारतीय जनमानस को पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी के जीवन के विभिन्न बहुआयामों से पूर्णतः अवगत कराया जाए, जिससे उनके व्यक्तित्व की विशिष्टताओं यथा अदम्य साहस, निर्भीकता एवं विपरीत परिस्थितियों में भी अभीष्ट समग्रता को प्राप्त करने की उत्कट इच्छा तथा पुरुषार्थ से जन समुदाय प्रेरणा ले सकें एवं अपने जीवन में भी उस को आत्मसात कर सके। यह शोध पीठ परम पुनीत उद्देश्य को लेकर राष्ट्र हित के विभिन्न आवश्यक उपादानों को अपना सहयोग देने का प्रयास करने हेतु कृत संकल्पित है। इसी मन्तव्य से उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, फाफामऊ, प्रयागराज में स्थापित पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पूर्व दार्शनिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक चिन्तक पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की जन्म तिथि दिनांक 25 सितम्बर, 1919 के अवसर के उपलक्ष्य में दिनांक 26 सितम्बर, 2024 पर पं0 दीनदयाल उपाध्याय एवम् सामाजिक समरसता पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान का आयोजन सुनिश्चित हुआ है। उक्त कार्यक्रम का आयोजन उक्त तिथि पर अपराह्न 03:00 बजे से किया जाएगा।

पंजीकरण व पंजीकरण शुल्क-

इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता हेतु पंजीकरण निःशुल्क है। समस्त प्रतिभागियों को पंजीकरण प्रारूप के माध्यम से पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। पंजीकरण कराने वाले प्रतिभागियों को ही प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।

आलेख/शोधपत्र

संगोष्ठी सह-व्याख्यान से सम्बन्धित मौलिक आलेख एवं शोध-पत्र आमन्त्रण की अंतिम तिथि 30 सितम्बर, 2024 है। हिन्दी में प्रपत्र के लिए Kuritdev 010 फॉण्ट साइज 14, लाईन स्पेसिंग 1.5 तथा अंग्रेजी में प्रपत्र के लिए Times New Roman, फाण्ट साइज 12, लाईन स्पेसिंग 1.5 में होना चाहिए। आलेख या शोध-पत्र अधिकतम 3000 शब्दों में होना चाहिए। गुणवत्ता की दृष्टि से चयनित आलेखों/शोध-पत्रों का प्रकाशन विश्वविद्यालय द्वारा ISBN सहित प्रोसीडिंग के रूप में किया जायेगा। आलेख/शोध पत्र ई-मेल के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेंगे। प्रपत्र प्रेषित करने हेतु ई-मेल pdduspuprtou@gmail.com है।

सम्पर्क सूत्र

संगोष्ठी सह-व्याख्यान से सम्बन्धित जानकारी हेतु
ई-मेल : pdduspuprtou@gmail.com पर अथवा
प्रो.. संजय कुमार सिंह (मो.नं.-7525048007)
डॉ. दिनेश सिंह (7525048013) पर सम्पर्क किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज
सेक्टर -एफ , शन्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज
www.uprtou.ac.in

आयोजन स्थल

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान से सम्बन्धित कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन में अवस्थित तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित होगा।

सलाहकार समिति

1. प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा
2. प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा
3. प्रो0 पी0 के0 स्टॉलिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा
4. प्रो0 सन्तोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा
5. कर्नल विनय कुमार, कुल सचिव
6. श्रीमती पूनम मिश्रा , वित्त अधिकारी
7. श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, परीक्षा नियंत्रक

आयोजन समिति

- प्रो. पी.के. पाण्डेय
- प्रो. रुचि वाजपेयी
- प्रो. विनोद कुमार गुप्त
- डॉ. रामजनम मौर्या
- प्रो. छत्रसाल सिंह
- प्रो. श्रुति
- प्रो.जे.पी.यादव
- प्रो. अजेन्द्र मलिक
- प्रो. मीरा पाल
- डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी
- डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव
- डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी
- डॉ. जी.के.द्विवेदी
- डॉ. सतीश चन्द्र जैसल
- डॉ. सुनील कुमार
- डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी
- डॉ0 साधना श्रीवास्तव
- डॉ0 सी0के0 सिंह
- डॉ. सुरेन्द्र कुमार
- डॉ0 अभिषेक सिंह
- डॉ0 शिवेन्द्र प्रताप सिंह
- डॉ0 रवीन्द्र प्रताप सिंह
- डॉ. सुभाष पाल
- डॉ0 धर्मवीर सिंह
- डॉ0 दिनेश कुमार गुप्ता
- डॉ0 दीप शिखा श्रीवास्तव
- श्री परविन्द कुमार वर्मा
- डॉ0 स्मिता अग्रवाल
- डॉ0 अब्दुल रहमान
- श्री राजेश गौतम
- डॉ0 अमरेन्द्र यादव
- डॉ0 सुषमा चौहान
- श्री राजेश सिंह
- डॉ. रवीन्द्र नाथ सिंह
- डॉ. बालगोविन्द सिंह
- डॉ. शैलेश कुमार संह

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में

संगोष्ठी सहयुक्त व्याख्यान

"पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं सामाजिक समरसता"

दिनांक : 26 सितम्बर, 2024

कार्यक्रम विवरण

गतिविधि				समय
माननीय कुलपति जी एवं माननीय मुख्य अतिथि जी का सरस्वती परिसर के तिलक सभागार में आगमन			:	अपराह्न 3:00
दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पण	:	माननीय मुख्य अतिथि जी एवं माननीय कुलपति जी द्वारा	:	अपराह्न 3:02 से 03:05
कुलगीत	:	विश्वविद्यालय कुलगीत का प्रस्तुतीकरण	:	अपराह्न 03:06 से 03:09
पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत	:	माननीय मुख्य अतिथि जी एवं माननीय कुलपति जी का स्वागत	:	अपराह्न 03:10 से 03:12
वाचिक स्वागत एवं कार्यक्रम के विषय में	:	**प्रोफेसर संजय कुमार सिंह** निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ	:	अपराह्न 03:13 से 03:22
अतिथि सम्मान	:	मुख्य अतिथि प्रोफेसर हरेश प्रताप सिंह जी एवं माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी का सम्मान	:	अपराह्न 03:23 से 03:25
मुख्य अतिथि का उद्बोधन	:	**प्रोफेसर हरेश प्रताप सिंह जी** माननीय सदस्य उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज	:	अपराह्न 03:26 से 03:50
अध्यक्षीय उद्बोधन	:	**प्रोफेसर सत्यकाम जी** माननीय कुलपति उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	:	अपराह्न 03:51 से 04:15
आभार ज्ञापन	:	**डॉ0 दिनेश सिंह** उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ	:	अपराह्न 04:16 से 04:20
राष्ट्रगान	:		:	अपराह्न 04:21
संचालक : डॉ0 बाल गोबिन्द सिंह, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज				

अयोजक : पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

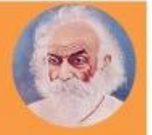

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म दिवस के उपलक्ष्य में

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह - व्याख्यान

विषय : पं. दीनदयाल उपाध्याय एवम् सामाजिक समरसता

दिनांक : 26 सितम्बर 2024

संरक्षक
आचार्य सत्यकाम
मा0 कुलपति
उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता
प्रो0 हरेश प्रताप सिंह
मा0 सदस्य
उ.प्र.लोक सेवा आयोग, प्रयागराज

आयोजन सचिव
डॉ. दिनेश सिंह
उप निदेशक
पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

संयोजक
प्रो. संजय कुमार सिंह
निदेशक
पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

आयोजन स्थल : तिलक सभागार, सरस्वती परिसर, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रो. हरेश प्रताप सिंह
आचार्य सत्यकाम

प्रो. हरेश प्रताप सिंह
आचार्य सत्यकाम

प्रो. हरेश प्रताप सिंह
आचार्य सत्यकाम

प्रो. हरेश प्रताप सिंह
आचार्य सत्यकाम

प्रो. हरेश प्रताप सिंह
आचार्य सत्यकाम

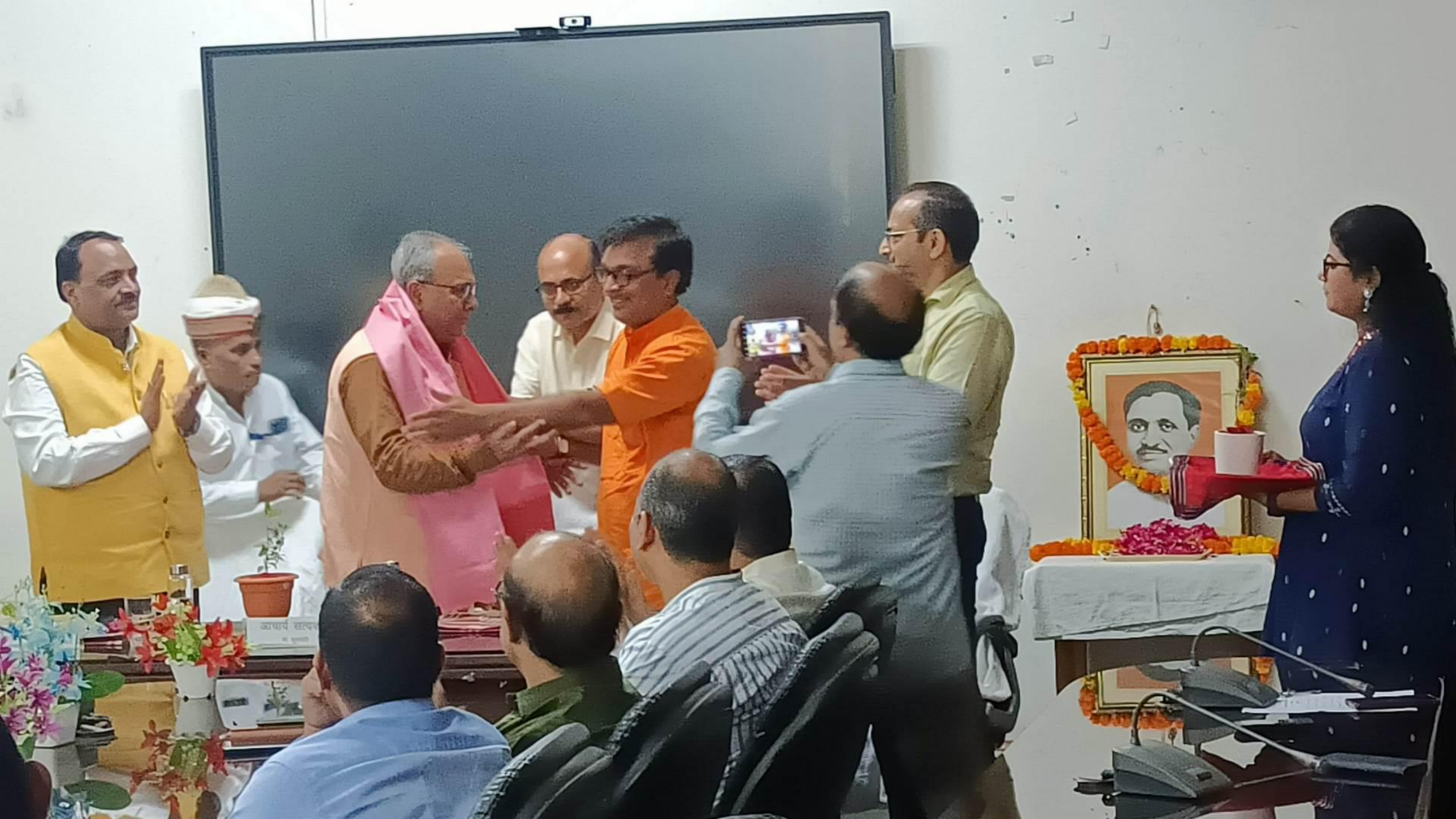

आचार्य सत्यकाम

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
"पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं सामाजिक समरसता"

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
"पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं सामाजिक समरसता"
मुख्य अतिथि
प्रोफेसर हरेश प्रताप सिंह
अध्यक्ष
प्रोफेसर सत्यकाम
आयोजक : पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ
डॉ० दिनेश सिंह
कर्नल विनय कुमार

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
"पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं सामाजिक समरसता"
दिनांक : 20 सितम्बर, 2024
मुख्य अतिथि
प्रोफेसर हरेश प्रताप सिंह
अध्यक्ष
प्रोफेसर सत्यकाम
आयोजक : पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ
प्रोफेसर संजय कुमार सिंह
डॉ0 दिनेश सिंह

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
"पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं सामाजिक समरसता"
मुख्य अतिथि
प्रोफेसर हरेश प्रताप सिंह
अध्यक्ष
प्रोफेसर सत्यकाम
आयोजक : पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ
GLOBUS

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
'पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं सामाजिक समरसता'
मुख्य अतिथि
प्रोफेसर हरेश प्रताप सिंह
अध्यक्ष
प्रोफेसर सत्यकाम
आयोजक : पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ
प्रोफेसर संजय कुमार सिंह
डॉ0 दिनेश सिंह
GLOBUS

प्रो. हरेश प्रताप सिंह
आचार्य सत्यकाम

प्रो. हरेश प्रताप सिंह
आचार्य सत्यकाम

प्रो. हरेश प्रताप सिंह
आचार्य सत्यकाम

प्रो. हरेश प्रताप सिंह
आचार्य सत्यकाम

प्रो. हरेश प्रताप सिंह
आचार्य सत्यकाम

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

26 सितम्बर, 2024

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म दिवस के उपलक्ष्य में

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह - व्याख्यान

विषय : पं. दीनदयाल उपाध्याय एवम् सामाजिक समरसता

दिनांक : 26 सितम्बर 2024

संरक्षक	मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता	आयोजन सचिव	संयोजक
आचार्य सत्यकाम मा0 कुलपति उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	प्रो0 हरेश प्रताप सिंह मा0 सदस्य उ.प्र.लोक सेवा आयोग, प्रयागराज	डॉ. दिनेश सिंह उप निदेशक पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ	प्रो. संजय कुमार सिंह निदेशक पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

आयोजन स्थल : तिलक सभागार, सरस्वती परिसर, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं सामाजिक समरसता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान का आयोजन दिनांक 26 सितम्बर, 2024 को किया गया। लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि एवं व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रोफेसर हरेश प्रताप सिंह, सदस्य, लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी ने किया।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक एवं संयोजक प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने किया तथा राष्ट्रीय संगोष्ठी की प्रस्तावना आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह, उपनिदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने प्रस्तुतकी। संचालन डॉ बाल गोविंद सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन कुल सचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

दीप प्रज्वलित करकार्यकम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथि तथा कुलगीत प्रस्तुत करते हुए श्री निकेत एवं डॉ0 बाल गोविन्द

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ बाल गोविंद सिंह

अतिथियों का स्वागत करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक एवं संयोजक प्रोफेसर संजय कुमार सिंह

राष्ट्रीय संगोष्ठी संगोष्ठी की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह, उपनिदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

माननीय अतिथियों का स्वागत सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन सामाजिक समरसता से ओत–प्रोत– प्रोफेसर सिंह

लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि एवं व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रोफेसर हरेश प्रताप सिंह, सदस्य, लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन सामाजिक समरसता से ओत–प्रोत था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय समाज के सबसे निचले तबके को शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा और स्वावलंबन के माध्यम से उठाने का प्रयास करते रहे। उनके समूचे व्यक्तित्व में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की झलक परिलक्षित होती है। उन्होंने संवेदना को निचले स्तर पर जाकर देखा।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि सामाजिक समरसता के लिए व्यक्तिगत स्वार्थों की तिलांजलि देनी पड़ती है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि कार्य एवं व्यवहार के द्वारा ही समाज में परिवर्तन होता है। वह अंत्योदय पर बहुत बल देते थे। वंचित वर्गों की पढ़ाई और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए उनके मन में नए विचार हमेशा उत्पन्न होते थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा देश हित में किये जा रहे कार्य दीनदयाल उपाध्याय के विचारों पर आधारित हैं। जिन्हें अमल में लाकर देश विश्व में प्रगति के सोपान पर अग्रसर है।

मुक्त विश्वविद्यालय चल रहा है दीनदयाल उपाध्याय के रास्तों पर– कुलपति

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आज मुक्त विश्वविद्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय के रास्ते पर चलकर शिक्षार्थी के द्वार तक शिक्षा पहुंचने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज अधिक से अधिक लोगों को दीनदयाल उपाध्याय जी के बारे में पढ़ना चाहिए। जिससे सामाजिक समरसता की व्यापकता का पता चलेगा तथा सामाजिक संबंधों के नए आयाम खुलेंगे। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि राष्ट्रकवि दिनकर और प्रेमचंद की रचनाओं में भी दीनदयाल के भाव मिलते हैं। इसी तरह वह राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन और दीनदयाल उपाध्याय को उनके विचारों से करीब पाते हैं क्योंकि जो भी जन को समर्पित होगा उसकी कोई भी चीज एक दूसरे में समाहित हो जाएगी। दीनदयाल जी भेदभाव से बहुत दु रूखी होते थे । उन्होंने रविंद्र नाथ टैगोर के उपन्यास गोरा का जिक्र करते हुए उसे पढ़ने की सलाह दी।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान